### Ex/ED/Sans//3.5/28/2017

# BACHELOR OF ARTS EXAMINATION, 2017

(2nd Year, 3rd Semester)

# SANSKRIT (E. D.)

**Course : E.D. - 3.5** 

# (Sanskrit Prose Literature and Composition)

Time: Two Hours Full Marks: 30

The figures in the margin indicate full marks.

1. Answer any *five* of the following questions either in English or in Bengali:  $1 \times 5=5$ 

[ইংরাজী অথবা বাংলা ভাষায় নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির যে কোন **পাঁচটির** উত্তর দাও]

(a) Name six faults that a man, desirous of welfare, should avoid?

[কোন ছয়টি দোষ সমদ্ধিকামী ব্যক্তির বর্জন করা উচিত :]

- (b) Who is considered as a wise man?
  [ কোন ব্যক্তি জ্ঞানী বলে গণ্য ই ?]
- (c) 'तन्मया भद्रं न कृतं यदत्र मारात्मके विश्वासः कृतः'—
  Who said this? Who is referred to by the term
  मारात्मक?

[একথা কে বলেছিল দায়ান্দক শব্দটির দ্বারা এখানে কারে বোঝানো হয়েছে:]

[Turn over]

(d) 'ददृशुश्च तदवस्थं राजकुमारम्'—

Who saw the prince and in what condition did they see him?

[কারা রাজকমারকে দেখেছিল এবং কী অবস্থায় তারা দেখেছিল ?]

(e) Where from did Enajangha return and whose message was reported by him?

[এণজঙঘ কোথা থেকে এসেছিল এবং কার বার্তা সে করেছিল?]

- (f) 'पश्यतु पतिमद्यैव शूलावतंसितम्...'—
  Who said this and when (was it said)?
  [কে কখন একথা বলেছিল]
- 2. Translate into English or Bengali (any *one*):

  [ইংরাজি অথবা বাংলা ভাষায় ভাষান্তর কর **একটির**)]

सुप्तयोस्तु तयोः स्वप्ने विसगुणनिगडितपादो जरठः किश्चज्जालपादोऽदृश्यत प्रत्यबुध्येतां चोभौ। अथ तस्य राजकु मारस्य कमलमूढ्शिशिकिरणरज्जुदामिन गृहीतिमव रजतशृङ्खलोपगूढ्ं चरणयुगलमासीत्।

### *Or* / अथवा,

एको वृद्धव्याघ्रः स्नातः कुशहस्तः सरस्तीरे ब्रूते — भोः भोः पान्थाः, इदं सुवर्णकङ्कणं गृह्यताम्। ततो लोभाकृष्टेन केनचित् पान्थेन आलोचितम् — भाग्येनैतत् संभवति। किंत्वस्मिन्नात्मसंदेहे प्रवृत्तिः न विधेया। यतः, अनिष्टादिष्टलाभेऽपि न गतिर्जायते शुभा। यत्रास्ते विषसंसर्गोऽमृतं तदिप मृत्यवे।।

[Turn over]

3. Answer the following question in English or Bengali — 6
[ইংরাজী অথবা বাংলা ভাষায় নীচের প্রশ্নটির উত্তর দা ]
''..... अभवदीयं हि नैव किंचित् मत्संबद्धम्'' —

Who said this and to whom? How did she express her feelings?

[কে কাকে একথা বলেছিল? কীভাবে সে তার মনোভ করেছিল?]

*Or* / अथवा.

Explain with reference to the context:

সপ্রসঙ্গ ব্যাখ্যা লেখে

अल्पानामिप वस्तूनां संहतिः कार्यसाधिका। तृणैर्गुणत्वमापन्नैर्बध्यन्ते मत्तदन्तिनः।।

4. Amplify in simple Sanskrit (any *one*):

5

[সরল সংস্কতে যে কোন **একটির** ভাবসম্প্রসারণ লেখ।]

- (a) शरीरं क्षणविध्वंसि कल्पान्तस्थायिनो गुणा:।
- (b) आपत्सु मित्रं जानीयाद् युद्धे शूरम्।
- Write a paragraph in simple Sanskrit on any *one* of the following:

[নিম্নলিখিত যেকোন **একটি** অবলম্বনে সংস্কতভাষায় অনচ্ছেদ রা করো।]

- (a) सरस्वतीपूजा।
- (b) ग्रीष्मावकाश:।

[Turn over]

5

6. Summarise the following passage in simple Sanskrit:

[সরল সংস্কতে নিম্নের অনচ্ছেদটির সারমর্ম লেখে ]

विक्रमे राज्यं कुर्वति त्रिविक्रम आसीत् पुरोहितः। तस्य त्रिविक्रमस्य पुत्रः कमलाकरः। स पितुः प्रसादात् घृतौदनं भुक्त्वा वस्त्रभूषणादिना यथेच्छं विषयसुखमनुभवन् तिष्ठति स्म। एकदा पित्रा उक्तम्, ब्राह्मणजन्म प्राप्य कथं स्वेच्छावृत्तिराश्रियते त्वया? अयमात्मा जन्मशतं नानायोनिं प्राप्नोति। ब्राह्मणकुले जन्म महता पुण्येन लभ्यते। तल्लब्ध्वा अपि त्वं दुष्टाचारो जातः। सर्वदा बहिरेव तिष्ठसि, भोजनकाले एव गृहमायासि। एतत्तु न समीचीनम्।